PART-**1**

अरब भूगोलवेत्ता- अल- इदरीसी

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

अरब भूगोलवेत्ता (Arab Geographers)

अनेक अरब लेखकों और विद्वानों ने भूगोल के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान किया है। उनमें से कुछ प्रमुख विद्वानों के योगदान की संक्षिप्त चर्चा यहाँ की जा रही है।

(4) अल- इदरीसी (Al-drisi)

अल- इदरीसी (1099 1180 ई०) बारहवीं शताब्दी के अग्रणी भूगोलवेत्ता थे जिनका मौलिक नाम **'अबू-अबद-अल्लाह मोहम्मद'** था। उनका जन्म मोरक्को (अफ्रीका) के उत्तर में स्थित क्वेटा स्थान पर हुआ था| ये स्पेन स्थित कारडोबा के खलीफा इदरिस के वंशज थे। इसी आधार पर वे अल-इदरीसी के नाम से जाने जाते थे। उनकी शिक्षा-दीक्षा कारडोबा नगर में हुई थी। कारडोबा में शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् अस- इदरीसी सिसली के शासक रोजर द्वितीय के आमंत्रण पर पालेरमों नगर (सिसली) पहुँचे और चहाँ लम्बे समय तक रहे । उन्होंने अपने जीवन के प्रारंभिक काल में ही भूमध्य सागर के तटवरती अपेक स्थानों की यात्राएं की थी। अल-इदरीसी ने लिस्बन, स्पेन, फ्रांस, इंग्लैण्ड, मोरक्को,

सिसली, एशिया माइनर, कुसतुनतुनीया और अफ्रीका के कुछ आंतरिक भागों की यात्रा किया था। पालेरमों में रहते हुए उन्होंने भूगोल पर कई पुस्तकें लिखा । अपने अनुभव तथा ज्ञात तथ्यों के आधार पर अल-इदरीसी ने एक विश्व मानचित्र भी बनाया था जिसको समझने के लिए एक संदर्भ पुस्तक भी लिखी गयी थी। उनकी **"विश्व भ्रमण के इच्छुकों के लिए मनोरंजन''** नामक पुस्तक अत्यंत रोचक और ज्ञान दायिनी है।

Al Idrisi World Map

अल-इदरीसी ने हिन्द महासागर, कैस्पियन सागर, कई यूरोपीय तथा एशियाई नदियों के विषय में फैली पूर्ववर्ती भ्रांतियों को दूर किया और नाइजर, डेन्यूब आदि अनेक नदियों के मार्गों की स्पष्ट व्याख्या की। उन्होंने अपने विश्व मानचित्र में भू मण्डल को सात

बृहत जलवायु प्रदेशों में विभाजित किया और प्रत्येक को प्राकृतिक विशेषताओं के आधार पर उप प्रदेशों में विभाजित किया था । उन्होंने प्रत्येक उप प्रदेश की भू आकृतियों, नदियों, वनस्पतियों, कृषि उपजों आदि का अलग-अलग वर्णन किया था।

अल-इदरीसी द्वारा तैयार किया गया विश्व मानचित्र भूगोल जगत के लिए उनकी विशिष्ट देन है। उन्होंने टालमी की रचनाओं का गंभीरता से अध्ययन किया था और उससे वे बहुत प्रभावित थे। उन्होंने उस समय के ज्ञात क्षेत्रों के लिए छोटे-छोटे मानचित्रों का निर्माण करके एक मानचित्रावली (Atlas) का भी निर्माण किया था। उनके मानचित्रों में वास्तविक रूप से ज्ञात तथ्यों एवं विवरणों को ही प्रदर्शित किया गया था अरब सागर और कैस्पियन सागर की सही स्थिति पहली बार अल-इदरीसी के मानचित्र में ही प्रदर्शित की गयी थी। संक्षेप में, अल-इदरीसी ने अपनी यात्राओं तथा अनुभव के आचार पर ज्ञात देशों और प्रदेशों का प्रादेशिक वर्णन किया था जो लगभग वास्तविक थे।